the films considered by Government the films entered were found best for the Karlovy Vary festival.

(f) The festival is from 9th June. to 24th June, 1962, and awards have still to be made.

12.02 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

CRACKER EXPLOSION IN SADAR BAZAR, DELHI

Mr. Speaker: I have received many 'Calling attention notices 'regarding the explosion in Sadar Bazar. Shri Bagri.

Shri Prakash Vir Shastri (Bijnor): On a point of order, Sir.

Mr .Speaker: Is it his point that I cannot allow him to do that?

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : अधयक्ष महोदय, कल दिल्ली में मुहर्रम के जलूस के समय जो भयंकर बम-विस्फोट की घटना हुई उस के सम्बन्ध में मैंने एक काम-रोको प्रस्ताव दिया था । क्वेस्टियन आवर में मेरे पास यहां पर लाबी असिस्टेंट आये और उन्हों ने यह कहा कि स्पीकर महोदय ने उस को पेश करने की अनुमति नहीं दी । इस सदन में काम-रोको प्रस्ताव उपस्थित करने की अनुमति आप से मांगने के सम्बन्ध में अब तक की परम्परा यह थी कि जब कोई काम-रोको प्रस्ताव स्थगित किया जाता था, या उस की अनुमति विदहैल्ड की जाती थी, तो उस के सम्बन्ध में यहां पर लिखित सूचना प्राप्त होती थी । इसलिये इस प्रकार एक व्यक्ति के द्वारा मौखिक सूचना का आना कोई संगत नहीं प्रतीत होता है । मैं चाहता हूं कि आप इस सम्बन्ध में कोई व्यवस्था दें ।

अध्यक्ष महोदय : अगर माननीय सदस्य लिखित सूचना चाहेंगे, तो उस में मुझे कोई उज्र नहीं होगा, लेकिन उस हालत में मुझे काफी वक्त पहले मिल जाना चाहिये । माननीय सदस्य का नोटिस तो पहले आया होगा, लेकिन बाद में आखिरी वक्त तक नोटिस आते रहते हैं और मुझे मिलते रहते हैं । इसलिये कोई वक्त नहीं होता कि माननीय सदस्यों को लिखित सूचना दी जा सके । ये नोटिस १०–४५ बजे ही नहीं, बल्कि १०–५५ बजे तक आते रहते हैं और मुझे उन की इन्तजार करनी पड़ती है । अगर माननीय सदस्य इस बात को स्वीकार कर लें कि कम से कम आध घंटा पहले मुझे नोटिस मिल जायेंगे, तो मैं जरूर लिखित सूचना दिया करूंगा । इस में कोई ऐतराज नहीं है । अगर माननीय सदस्य चाहेंगे, तो उन को लिखित सूचना पहुंचा दी जायेगी ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं ने अपनी सूचना ठीक दस बजे से भी पांच मिनट पूर्व दी थी

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य की आई होगी, लेकिन मैं ने इन्तजार करनी होती है कि सब नोटिस आ जायें । श्री बागडी ।

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम, १९७ के अन्तर्गत गृह-कार्य मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करता हूं और चाहता हूं कि वह इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

"सदर बाजार, दिल्ली में, १४ जून की रात को ९ बजे अचानक विस्फोट ।

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : जून, १४, १९६२ को रात के करीब १२–४० बजे बाराटूटी, पुलिस स्टेशन सदर बाजार, दिल्ली में एक पटाखा फेंका गया, जिस से आठ व्यक्तियों को साधारण चोट पहुंची । इन ८ व्यक्तियों में एक पुलिस कान्स्टेबल, तीन अन्य व्यक्ति और चार बच्चे थे ।

जिस चौराहे पर पटाखा फेंका गया, वहां से मुहर्रम का जुलूस निकलने वाला था और एक अखाड़ा अपने कारनामे दिखा रहा था उस जगह पर काफी भीड़ इकट्ठा थी । पुलिस का

प्रबन्ध समुचित था। निकट की इमारतों पर भी पुलिस तनात थी। फिर भी चोरी छिपे भीड़ में पटाखा फेंक दिया गया।

घायल व्यक्तियों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन किसी को गहरी चोट नहीं पहुंची। आरम्भ में कुछ तहलके के बाद फिर अमन कायम हो गया और मुहर्रम का जुलूस शान्ति से निकाला गया। स्थान पर सब वर्गों के लोगों ने घटना की निन्दा की। एक विशेष दिलचस्पी की बात है कि इस वक्त सदर बाजार में कई हिन्दुओं ने जुलूस के लिये ठण्डे पानी, पान इत्यादि की व्यवस्था की थी।

घटना के तुरन्त बाद ही दिल्ली शासन के ऊंचे अधिकारी घटना-स्थल पर पहुंच गये। इलाकों में किसी तरह का भय नहीं है। और अन्य ताजियों के जुलूस अमनचैन से निकाले गये। पुलिस ने एक्सप्लोजिव सब्सटेंसेज एक्ट की दफा ६ के अन्तर्गत केस दर्ज कर के जांच शुरू कर दी है अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, किन्तु कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।

श्री बागड़ी : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि दिल्ली भारत का एक अहम मुकाम है और यहां पर एक नहीं, दो नहीं, तीन नहीं, यके-बाद-दीगरे ऐसी कई घटनायें हो रही हैं और उन घटना के बाद एक तो सरकारी अफसरान मौके पर वक्तव्य दे देते हैं ....

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य अब सवाल पर आ जायें :

श्री बागड़ी : मैं पूरी घटना बताने के बाद सवाल पर आऊंगा, वर्ना मिनिटर साहब सवाल को समझ नहीं पायेंगे।

डिप्टी कमिश्नर साहब ने वहां पर बयान दिया कि यह पहले की तरह का विस्फोट है, जो कि उन लोगों के द्वारा किया गया है, जो कि इस देश को बदनाम करना चाहते हैं। मैं अर्ज करूंगा कि जो यह बताया गया है कि यह विस्फोट उन लोगों की तरफ से है, जो कि इस देश को बदनाम करना चाहते हैं, वह एक बहुत बड़ी और अहम बात है। पिछले कालिंग अटेन्शन नोटिस के मौके पर हमने कहा था कि इस अहम मसले के ऊपर.....

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य सवाल करें।

श्री बागड़ी: पहली बात तो यह है कि क्या माननीय मंत्री महोदय इस बात को स्वीकार करते हैं कि या नहीं कि इस किस्म के विस्फोटों से देश को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और अगर यह सच है, तो क्या वह इन की रोक थाम के लिये इन्टेलिजेन्स ब्यूरो की मार्फत कोई एन्क्वायरी कराना चाहते हैं या नहीं।

श्री दातार : सरकार इसके बारे में जांच कर रही है। मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि होम मिनिस्ट्री की दिमांड्ज पर वाद-विवाद के समय होम मिनिस्टर साहब ने इस बारे में सब बातें बता दी थीं।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न सिर्फ इतना है कि आया सरकार इन्टेलिजेंस डिपार्टमेंट की मार्फत तहकीकात कराना चाहती है या नहीं।

श्री दातार : सरकार ने सी० आई० डी० से जांच शुरू करवाई है।

अध्यक्ष महोदय : श्री सरजू पाण्डेय।

श्री बागड़ी : स्पीकर साहब, मेरे पहले सवाल का जवाब नहीं दिया गया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह ठीक है कि इन विस्फोटों के जरिये देश को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य का कहना है कि डिपटी कमिश्नर ने कहा है कि देश को बदनाम करने की खातिर ऐसी वारदातें की जा रही हैं। वह जानना चाहते हैं

[अध्यक्ष महोदय]

कि आया सरकार को इसकी बाबत भी कोई सूचना है और इसके बारे में उसकी क्या राय है ।

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : जाहिर बात है कि जो शख्स इन बातों को करते हैं या जो लोग कराते हैं वे हिन्दुस्तान के दुश्मन हैं । वे निहायत क्रिमिनल टाइप्स हैं । इसमें कोई शक नहीं है और मेरा खयाल है कि यहां के सबमेम्बर्ज इसको बहुत सख्त नापसन्द करते हैं । यह एक वाकया है कि अभी तक उनको पकड़ने में बहुत कामयाबी हासिल नहीं हुई है । इस बारे में जो कुछ भी राय रखी जाये । जांच की गई है । यहां की पुलिस फोर्स तो करती ही है, हिन्दुस्तान की और जगहों से भी ऐसे लोग बुलाये गये हैं, जो कि यह काम करने के लिए अच्छे समझे जाते हैं । भीड़ में एक आदमी पटाखा छोड़ दे और फ़ौरन अन्धेरा भी हो जाता है, रात होती है और कुछ दीखता नहीं है और भीड़ में वह गायब हो जाये, तो उसको पकड़ना आसान बात नहीं है । यह अफ़सोस की बात है कि इसको रोकने का कोई माकूल इन्तजाम नहीं हुआ है । कोशिश हो रही है ।

श्री सरजू पाण्डेय (रसड़ा) : अभी माननीय मंत्री ने बताया है कि कोई खास किस्म की व्यवस्था इस तरह के बम-विस्फोटों की रोकथाम की नहीं हो रही है । अब तक जो प्रयत्न इन बम विस्फोटों को रोकने के लिए किये गये हैं, वे निष्फल रहे हैं । मैं जानना चाहता हूं कि क्या कोई नए कदम सरकार की तरफ से बम विस्फोटों को रोकने के लिये उठाये जा रहे हैं कि किस तरह से लोगों को प्रोटेक्ट किया जाए ?

अध्यक्ष महोदय : अब तक जो रोकथाम के लिये कदम उठाये गये हैं, उसके बाद अब कोई नया कदम उठाया जा रहा है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : कोई नया कदम उठाया जाता है तो उसका बयान करना मुनासिब नहीं होगा क्योंकि उसका असर निकल जाएगा ।

Shri Hem Barua (Gauhati): In view of the fact that these incidents....

Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): Quote .

Mr. Speaker: Order, order; there ought to be some seriousness.

Shri Hem Barua: Shri D. C. Sharma says, quote. In view of the fact that these incidents of a criminal type, as described by the Prime Minister, instead of decreasing, are rapidly on the increase, which shows that there is lack of police vigilance, may I know what the Government propose to do about that, whether they have succeeded in apprehending the criminals or they have succeeded in putting down this organised violence?

Shri Jawaharlal Nehru: If the hon. Member will do me the courtesy of hearing me, it would not be necessary to put many questions. I fully dealt with this very point.

Shri Shiv Charan Gupta (Delhi Sadar): Last time, in answer to another Calling Attention notice, the hon. Home Minister informed the House that enquiry in this case is being handed over to the police officials of other States. I want to know what is the progress about that

Shri Jawaharlal Nehru: It means, competent efficient officials have been sent for from some other States to enquire into this. It is not a question of handing over to somebody. They will come here and enquire. They are doing it. As I have said, whatever success they have attained, it is difficult to deal with this matter, because dealing with it helps the party concerned who is trying to hide himself.

Shri Hem Barua: On a personal clarification, Sir, ...

Mr. Speaker: If it is personal, it may be subsequently done.

श्री बड़े : ये बम विस्फोटों के जो इंस्टेंसिस होते हैं ये केवल दिल्ली में ही होते हैं, दूसरे क्षेत्रों में नहीं होते हैं । दिल्ली चूंकि कैपिटल है इस वास्ते भारत को बदनाम करने के लिये इनको किया जा रहा है, ऐसा अभी फरमाया गया है । मैं जानना चाहता हूं कि अभी बम विस्फोट जो हुआ है, इसमें किस जाति के लोग पकड़े गये हैं और किन पर शुबहा है ?

अध्यक्ष महोदय : बता दिया गया है कि कोई पकड़े नहीं गये हैं ।

श्री बड़े : दिल्ली में ही क्यों होते हैं ?

Shri P. R. Chakraverti (Dhanbad): Is it a fact that the bomb that had been used yesterday is similar to the bomb that was used during Id celebrations and if so, does this identity trace out the hidden hand which is operating at the base?

Shri Jawaharlal Nehru: These are questions which it is not proper for me to deal in a piecemeal way. But, it is clear that the persons who are responsible for these are enemies of India. It is clear that they want to create ill-will between the communities of India, communalists of the worst type. It is clear, whether they are Hindus or Muslims or Sikhs, they want to create enmity between these communities and to demean the honour of India. It is clear also that there is more than one person obviously: may be a group. People have been arrested in the past because of this. I merely say this because you were pleased to say that nobody has been arrested. People have been arrested: actually one person in the act of doing it.

Mr. Speaker: In regard to this very explosion, the Home Minister had said that no arrests had been made.

Shri Jawaharlal Nehru: I am saying of other explosions. We could not get enough information from them to lead us much further.

Shri M. Ismail (Manjeri): In view of the statement that there was heavy police *bandobust* on this occasion, I want to know the simple fact whether the police were with the procession or they were guarding all the routes of the procession in advance also in certain places.

Shri Jawaharlal Nehru: I suppose they were spread out. They are not put in a bunch anywhere. I do not know the details as to how they were spread out.

Shri Datar: The police were there along with the procession, and as I had pointed out, they had occupied certain positions in the adjoining buildings also.

Shri M. Ismail: May I ask another question?

Mr. Speaker: Only one question is allowed for each Member.

Shri Hem Barua: On a point of personal explanation. The hon. Prime Minister was pleased to say that I lacked in courtesy. But may I submit that I have the highest respect for him, and I yield to none in my respect in this country for the Prime Minister but my misfortune is this that I could not follow his Allahabadi Hindi? That is what I would like to submit.

12.16 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Proceedings of First Meeting of National Integration Council

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Ato-